बेटी अवनी ने परिवार व क्षेत्र का नाम किया रोशन

पानसेमल। क्षेत्र के प्रख्यात फोटोग्राफर परिवार में जन्मी अवनी जितेंद्र खोरी ने परिवार सहित क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है। राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धि मिलने पर परिवार को बधाई एवं शुभकामनाएं दी जा रही है। दरअसल जगमा वर्ल्ड स्कूल की प्रतिभावान छात्रा अवनी जितेंद्र खोरी ने राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में सफलता हासिल की है। भारत सरकार द्वारा आयोजित वीर गाथा 5.0 थीम पर आधारित प्रतियोगिता में अवनी ने महाराष्ट्र राज्य में प्रथम तथा देश में 10वां स्थान प्राप्त किया है। इस उपलब्धि के लिए अवनी खोरी को 26 जनवरी को दिल्ली में होने वाले ध्वजारोहण समारोह में सम्मानित किया जाएगा। चित्रकला प्रतियोगिता भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित की गई थी। जिसमें देशभर से 1.92 करोड़ से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। अवनी की सफलता में परिवार सहित जगमा वर्ल्ड स्कूल के शिक्षकों एवं संचालक मंडल का योगदान रहा। राष्ट्रभाव और संस्कारों के मार्गदर्शन का परिणाम है कि एक छोटी सी छात्रा ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान स्थापित बनाई है। अवनी बचपन से ही चित्रकला और रंगोली बनाने में रुचि रखती थी। नवरात्र में उन्हें द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ था। उनके पिता जितेंद्र खोरी, दादा प्रकाश खोरी पेशे से फोटोग्राफर है। उनकी उपलब्धि पर समाजजनों सहित क्षेत्रवासियों ने बधाई दी है।

आदर्श महाविद्यालय में मनाया मकर संक्रांति पर्व

बड़वानी। शासकीय आदर्श महाविद्यालय में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के माध्यम से विभिन्न पारंपरिक उत्सवों और त्यौहारों को मैदानी रूप से भी मनाने के लिए सतत रूप से आयोजन किए जाते हैं। डॉ अनिल पाटीदार ने कहा कि प्राचार्य डॉ प्रमोद पंडित की उपस्थिति एवं नेतृत्व में बुधवार को मकर संक्रांति पारंपरिक उत्सव और उल्लास के रूप में मनाई गई। डॉ पंडित ने कहा कि हमारी नई युवा पीढ़ी प्राचीन परंपराओं के उत्सव और त्यौहारों को कहीं विस्मृत न कर दे। उसी के तहत प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव एवं उच्च शिक्षा मंत्री इंद्र सिंह परमार के नेतृत्व में उच्च शिक्षा विभाग में विद्यार्थियों को उनकी जड़ों से जोड़ने के लिए कई आयोजन महाविद्यालय में किए जाते हैं। उसी के तहत विद्यार्थियों एवं प्राध्यापक स्टॉफ द्वारा पतंग महोत्सव का पारंपरिक आयोजन किया गया। इसके बाद उन्हें तिल गुड़ के लड्डू भी बांटे गए। विद्यार्थियों को मकर संक्रांति की शुभकामनाएं दी। डॉ दिनेश, डॉ सुनीता, प्रो दिलीप, डॉ गीतांजलि, प्रो मुवेल, प्रो आकाश, डॉ अंतिमबाला, डॉ प्रिया, प्रो मंडलोई, प्रो मंडलोई, डॉ रितेश, डॉ नारायण डॉ अल्केश का सहयोग रहा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

हैबिल्ड ने बनाया योग व्यूअरशिप का वर्ल्ड रिकॉर्ड

इंदौर. हैबिट बिल्डिंग प्लेटफॉर्म हैबिल्ड ने एक दिन में सबसे अधिक योग व्यूअरशिप का वर्ल्ड रिकॉर्ड आधिकारिक रूप से अपने नाम किया है. इस रिकॉर्ड को वर्ल्ड रिकॉर्ड्स यूनियन द्वारा प्रमाणित किया गया है. यह रिकॉर्ड पूरे दिन आयोजित छह लाइव ऑनलाइन योग सत्रों के माध्यम से बना. इस पहल में दुनिया भर से लोगों ने भाग लिया. 9.3 लाख प्रतिभागी इस योग अभियान से जुड़े. हैबिल्ड ने एक स्कूल के निर्माण की भी घोषणा की. हैबिल्ड के को-फाउंडर और योग शिक्षक सौरभ बोथरा ने कहा यह दिन रिकॉर्ड बनाने से ज्यादा लोगों के खुद से दोबारा जुड़ने का था. 'हर घर योग' इसी सोच के साथ शुरू किया गया था और इसका प्रभाव साफ दिखाई दिया. हमारी कम्युनिटी हमेशा सेवा में विश्वास करती है. इसी भावना के तहत हमने अपने पैतृक गांव में एक स्कूल के निर्माण की भी घोषणा की है. हमारी कम्युनिटी से जुड़ने वाले हर व्यक्ति की ओर से हम इस स्कूल के निर्माण के लिए एक ईंट दान करेंगे.

टोयोटा ड्रीम कार आर्ट कॉन्टेस्ट के 19वें संस्करण की घोषणा

इंदौर. टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने आज टोयोटा ड्रीम कार आर्ट कॉन्टेस्ट के 19वें संस्करण की घोषणा की. इसका उद्देश्य बच्चों की कल्पनाशक्ति को बढ़ावा देना और भविष्य की मोबिलिटी के इनोवेटर्स को प्रेरित करना है. यह प्रतियोगिता भारत भर में 15 वर्ष और उससे कम आयु के बच्चों के लिए 12 जनवरी से 12 फरवरी तक खुली रहेगी. इसके माध्यम से बच्चों को अपनी रचनात्मक सोच और कला के ज़रिये भविष्य की कारों की कल्पना करने का अवसर मिलेगा. प्रतिभागियों को आपकी ड्रीम कार विषय पर अपनी कला प्रस्तुत करनी होगी. टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के एक्ज़ीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट (सेल्स-सर्विस-यूज़्ड कार बिज़नेस) सबरी मनोहर ने कहा टोयोटा ड्रीम कार आर्ट कॉन्टेस्ट हमारी इस सोच को दर्शाता है कि हर नवाचार की शुरुआत कल्पना से होती है. यह वार्षिक पहल बच्चों की उस अनोखी क्षमता का जश्न है, जिसके ज़रिये वे कला के माध्यम से एक बेहतर, स्मार्ट और टिकाऊ भविष्य की कल्पना करते हैं.

लॉर्ड्स मार्क दुर्घटना संभावित हाईवे को रोशन करेगा

इंदौर. लॉर्ड्स मार्क इंडस्ट्रीज लिमिटेड को नेशनल हाईवेज अथॉरिटी ऑफ इंडिया से विजयवाड़ा क्षेत्र के प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्गों पर फेज-1 के तहत सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा चिन्हित 104 दुर्घटना-संभावित और ब्लैक स्पॉट स्थानों पर सोलर हाईवे लाइटिंग लगाने का काम मिला है. यह प्रोजेक्ट रोड सेफ्टी में टेक्नोलॉजी पर आधारित एक पहल है, जो दुनिया की पहली, डेटा-ड्रिवन मेथोडोलॉजी पर आधारित है. इसमें रिसर्च-बेस्ड एक्सीडेंट एनालिटिक्स, ऑन-ग्राउंड विजिबिलिटी डायग्नोस्टिक्स और इंटेलिजेंट सोलर लाइटिंग डिज़ाइन को इंटीग्रेट किया गया है. लॉर्ड्स मार्क इंडस्ट्रीज के मैनेजिंग डायरेक्टर सच्चिदानंद उपाध्याय ने कहा बहुत ही कॉम्पिटिटिव बिडिंग प्रोसेस के ज़रिए यह कॉन्ट्रैक्ट हासिल करना लॉर्ड्स मार्क के डेटा-ड्रिवन अप्रोच और एग्जीक्यूशन क्षमताओं का एक मज़बूत सबूत है. यह प्रोजेक्ट सिर्फ़ इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने से कहीं ज़्यादा है, यह टेक्नोलॉजी-इनेबल्ड रोड सेफ्टी सॉल्यूशंस की तरफ एक बड़ा बदलाव है.

कायस्थ समाज ने स्वामी विवेकानंद जयंती मनाई

इंदौर. श्री चित्रांश कायस्थ वेलफेयर सोसाइटी द्वारा विश्व गुरु स्वामी विवेकानंद की जयंती मनाई गई. समाज उन्हें शिक्षा, साहस और हिंदू दर्शन के वैश्विक प्रचार के लिए एक आदर्श मानता है. संस्था के अध्यक्ष प्रदीप भटनागर सचिव विवेक भटनागर ने बताया कि इस अवसर पर कुष्ठ रोगियों की बस्ती बाण गंगा पर 51 किलो खिचड़ी एवं 10 किलो तिल के लड्डू संस्था के पदाधिकारियों के सहयोग से प्रदान किये गए. इसके साथ ही बस्ती में संक्रांति के अवसर पर बस्ती में एक वक्त के भोजन की व्यवस्था भी संस्था द्वारा की जाएगी. कार्यक्रम में संस्था की मुख्य संरक्षक वीना सक्सेना, सुनीता भटनागर संजय श्रीवास्तव, दिलीप सक्सेना, योगेंद्र हजेला, डॉ डीके श्रीवास्तव, अरुण भटनागर, आदि सदस्य उपस्थित थे. आभार बस्ती के संयोजक गोपाल शिंदे ने माना.

एल्जी ने वैक्यूम टेक्नोलॉजी में कदम बढ़ाया

इंदौर. दुनिया की अग्रणी एयर कंप्रेसर निर्माता कंपनियों में से एक, एल्जी इक्विपमेंट्स लिमिटेड ने आज अपने कोयंबटूर मुख्यालय में नई वैक्यूम पंप असेंबली लाइन के उद्घाटन की घोषणा की. यह नई सुविधा एल्जी के वैक्यूम सॉल्यूशंस में रणनीतिक विस्तार की दिशा में एक अहम् कदम है और मैन्युफैक्चरिंग एक्सीलेंस, क्वालिटी लीडरशिप और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को और मजबूत करती है. इस मौके पर डॉ. जयराम वरदराज, मैनेजिंग डायरेक्टर, एल्जी इक्विपमेंट्स ने कहा यह वैक्यूम पंप असेंबली लाइन भारत से ग्लोबली कॉम्पिटिटिव इंडस्ट्रियल सॉल्यूशंस बनाने की एल्जी की यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है. वैक्यूम टेक्नोलॉजी हमारे कंप्रेस्ड एयर बिज़नेस का स्वाभाविक विस्तार है. अनवर जय वरदराज, चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर, एल्जी इक्विपमेंट्स ने कहा इस नई असेंबली लाइन के साथ एल्जी एक ट्रस्टेड ग्लोबल मैन्युफैक्चरर के रूप में अपनी स्थिति और मजबूत कर रहा है.

एकलव्य आवासीय विद्यालय में फांसी पर लटका मिला छात्रा का शव

परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप, गिरफ्तारी और बेटी को न्याय दिलाने की मांग

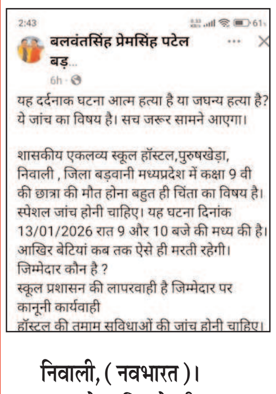

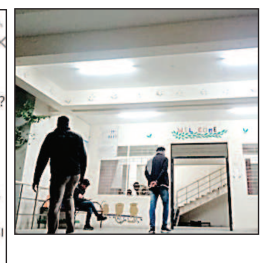

निवाली, (नवभारत)।

नगर से 3 किलो मीटर दूर ग्राम पुरुषखेड़ा के एकलव्य आवासीय विद्यालय में नाबालिग छात्रा का शव फांसी पर लटका मिला, सबूत का मुख्य आधार होस्टल के कैमरे भी बंद होने का आरोप। परिजनों ने हत्या का आरोप लगाकर गिरफ्तार करने व बेटी को न्याय दिलाने की मांग की। पूर्व में भी अधिकारियों पर कार्रवाई हो चुकी है।

जिला पंचायत अध्यक्ष बलवंत पटेल ने सोशल मीडिया फेसबुक पर छात्रा का फोटो डालकर घटना को दर्दनाक बताया है। हत्या या आत्महत्या और जांच की मांग की है। बेटियां कब तक ऐसे ही मरती रहेंगी पर सवाल उठाया है। होस्टल प्रशासन की लापरवाही बताया है। जिम्मेदारों पर कार्रवाई की बात कही है। साथ ही होस्टल की तमाम सुविधाओं की जांच की मांग की है।

निवाली के पुरूषखेड़ा एकलव्य आवासीय विद्यालय में एक नाबालिग छात्रा की लाश प्रतिबंधित कमरे (स्टोर रूम) फांसी के फंदे पर लटकी मिली है। घटना रात्री 8 बजे के आसपास की बताई जा रही है और होस्टल में सभी लोगों को 10 बजे के लगभग पता लगा। अश्विनी इंदास रावताले निवासी गोंगवाड़ा पानसेमल खेतिया क्षेत्र की है। छात्रा एकलव्य आवासीय विद्यालय में रहते हुए पढ़ाई कर रही थी। घटना की सूचना से प्रशास स्तर पर हड़कंप मच गया है।

घटना के बाद पानसेमल अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, निवाली थाना प्रभारी आरके लौवंशी सहित पूरी टीम मौके पर पहुंची है। अधिकारियों ने होस्टल का निरीक्षण कर स्टॉफ से पुछताछ की है। थाना प्रभारी लौवंशी ने बताया कि जांच के बाद तथ्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

वहीं मृतका अश्विनी के परिजनों ने अपनी बेटी की हत्या का आरोप लगाया है। कहा है कि सबूत का मुख्य आधार होस्टल के कैमरे भी बंद पाए गए। वहीं लड़की का एक पैर खिड़की के पास पलंग पर घुटने के सहारे टिका हुआ है। जिससे उसकी मृत्यु नहीं हो सकती है। लड़की के पास मोबाईल या अन्य कोई प्रतिबंधित सामान मिला था, तो हमें सूचना देना थी। परिजनों ने सभी साथी छात्राओं से अलग-अलग पुछताछ करने व स्टॉफ के लोगों से भी अलग-अलग पुछताछ करने की मांग की है। निष्पक्ष कार्रवाई करते हुए दोषियों को गिरफ्तार किया जाए। परिजनों ने अनुविभागीय अधिकारी पानससेम को एक आवेदन देकर आरोप लगाया है कि होस्टल अधीक्षक व होस्टल वार्डन की लापरवाही से उनकी बेटी की मौत हुई है। बताया कि होस्टल के जो प्रतिबंधित कक्ष है वहां लाश पाई गई है, जिसकी चाबी अधीक्षक के पास रहतीं है। पत्र में कहा गया है कि मानसिक रूप से प्रताड़ित का शिकार हुई है, जिससे उसे आत्महत्या जैसा घातक कदम उठाने पर मजबूर होना पड़ा। दोषी लोगों के विरुद्ध एफआईआर लिखी जाए व हमारी स्वर्गीय बेटी को न्याय दिलाया जाए। पोस्टमार्टम कर लाश परिजनों को सौंप दी गई।

वहीं जुलाई माह में भी इसी एकलव्य आवासीय विद्यालय पुरूषखेड़ा की लगभग सौ छात्रा पैदल ही मार्च करते हुए बड़वानी जा रही थी। तब 40 किलोमीटर पर सिलावद में रोककर समझाईश देकर वापस भेजा गया था। उसके बाद 21 जुलाई को भी होस्टल प्राचार्य मीनाक्षी भार्गव व अन्य के खिलाफ कार्रवाई हुई थी।

प्राचार्य मीनाक्षी भार्गव को पद से हटाया गया था। वहीं पीजीटी मनोज शुक्ला व लाइब्रेरीयन जय भगवान को तत्काल संस्पेड कर दिया था। पीजीटी रवि रंजन और होस्टल वार्डन हिमांशु कुमार को कारण बताओ नोटीस जारी हुआ था।

जब इस संबंध में पानसेमल अनुविभागीय अधिकारी रमेश सिसोदिया से चर्चा की तो उन्होंने बताया कि उक्त घटना के संबंध में परिजनों द्वारा घटना की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई करने की मांग की गई। वहीं जब घटना के संबंध में छात्र छात्रावास से संबंधित से चर्चा करने की कोशिश की गई, तो उनके फोन बंद होने के चलते संपर्क नहीं हो पाया।

मौके पर पहुंची पुलिस

- एसडीएम, थाना प्रभारी सहित पुलिस टीम पहुंची मौके पर।
- अधिकारियों ने होस्टल का निरीक्षण कर की पूछताछ।

सीबीआई की दबिश, 13 करोड़ के नाबार्ड लोन मामले में तायल बंधुओं के ठिकानों पर जांच

नवभारत न्यूज़
सेंधवा, 15 जनवरी.

बुधवार सुबह केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई की टीम ने सेंधवा में तायल बंधुओं के विभिन्न ठीकानों पर दबिश दी। यह कार्रवाई नाबार्ड से लिए गए करीब 13 करोड़ रूपए के ऋण से जुड़े मामले में दर्ज एफआईआर के बाद की गई। बताया जा रहा है कि केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई द्वारा दबिश दी गई है। हालांकि हालांकि, जांच से जुड़े अधिकारियों ने अभी तक मीडिया से इस संबंध में कोई आधिकारिक जानकारी सांझा नहीं की है। टीम ने शहर के रामकटोरा क्षेत्र में भी दबिश देकर पुछताछ की।

सीबीआई की टीम ने सेंधवा स्थित पुराना एबी रोड, झंवर कॉलोनी और एक अन्य स्थान पर जांच शुरू की है। मामला एग्रो क्लस्टर परियोजना के नाम पर लिए गए ऋण के कथित दुरुपयोग से जुड़ा बताया जा रहा है।

एग्रो क्लस्टर के नाम पर लिया गया था 13.99 करोड़ का लोन

सीबीआई कोलकाता की आर्थिक अपराध शाखा ने नाबार्ड बैंक भोपाल के साथ कथित धोखाधड़ी के मामले में एफआईआर दर्ज की है। यह शिकायत नाबार्ड भोपाल के डीजीएम नंदू जे नायक द्वारा की गई थी। एफआईआर में सेंधवा के निमाड़ एग्रो पार्क के संचालक अर्पित कुमार तायल, निकुंज तायल, अशोक कुमार तायल और अंकित कुमार तायल को आरोपी बनाया गया है।

सीबीआई की एफआईआर के अनुसार वर्ष 2019 में ग्राम जानली में एग्रो प्रोसेसिंग क्लस्टर स्थापित करने के लिए नाबार्ड से 13.99 करोड़ रूपए का ऋण स्वीकृत कराया गया था।

परियोजना की कुल लागत 31 करोड़ रूपए से अधिक दर्शाई गई थी, जिसमें फूड प्रोसेसिंग मंत्रालय से 10 करोड़ रूपए की सहायता प्रस्तावित थी।

प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि बुनियादी ढांचा विकसित करने के बजाय आरोपियों ने अपनी ही अन्य कंपनियों के साथ कथित तौर पर फर्जी समझौते किए। वर्ष 2020 और 2021 के दौरान पांच किश्तों में जारी की गई ऋण राशि को परियोजना में उपयोग करने के स्थान पर अन्य बैंक खातों में ट्रांसफर किया गया।

2024 में एनपीए घोषित हुआ था खाता

सीबीआई के अनुसार समय-सीमा बढ़ाने के नाम पर बैंक अधिकारियों को गुमराह किया गया। परियोजना पूरी नहीं होने पर 29 सितंबर 2024 को संबंधित ऋण खाता एनपीए घोषित कर दिया गया। ऑडिट के बाद नाबार्ड द्वारा सीबीआई को कार्रवाई के लिए पत्र भेजा गया था।

इन धाराओं में एफआईआर दर्ज

जांच में नाबार्ड को करीब 12.99 करोड़ रूपए की मूल राशि और लगभग 44 लाख रूपए ब्याज का नुकसान सामने आया है। सीबीआई ने आरोपियों और अज्ञात सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 420, 409, 467, 468 और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7(सी) के तहत एफआईआर दर्ज की है।

नशे के खिलाफ सामूहिक प्रयास जरूरी

नशा मुक्ति शिविर का आयोजन

इन्दौर. नशे जैसी सामाजिक बुराई को केवल शासन या चिकित्सकों के द्वारा समाप्त नहीं की जा सकती, नशे से दूर करने एवं युवाओं को बचाने के लिए, समाज के सभी वर्गों को मिलकर प्रयास करना जरूरी है. परिवार की महिलाएं तथा शिक्षण संस्थानों में शिक्षकों को ज्यादा प्रयास करने की जरूरत है.

उक्त बातें विभिन्न वक्ताओं ने अशर्फी नगर खजराना, में यूनिवर्सल पीस एंड सोशल डेवलपमेंट सोसाइटी द्वारा आयोजित नशा मुक्ति शिविर में कही. इंडेक्स मेडिकल कॉलेज के सहयोग से आयोजित नशा मुक्ति शिविर का शुभारंभ करते हुए वरिष्ठ मनो चिकित्सक डॉ रामगुलाम राजदान ने कहा कि नशा लाइलाज बीमारी नहीं है इससे छुटकारा पाया जा सकता है, किंतु पीड़ित का पूर्ण सहयोग एवं इच्छा शक्ति की जरूरत है. डॉ अनिल भंडारी ने कहा कि इस तरह के शिविरों की बेहद जरूरत है. इंदौर शहर में युवाओं में बड़ी तेजी से नशे की प्रवृत्ति बढ़ रही है. अत: इन युवाओं को बचाने के लिए भी लगातार बड़े पैमाने पर प्रयासों की भी जरूरत है. इस मौके पर फादर पायस, प्रमोद नामदेव, सैयद इरशाद अली, तारीक शेख आदि ने भी संबोधित किया.

पुस्तक का विमोचन

कार्यक्रम में डॉ रामगुलाम राजदान एवं सामाजिक कार्यकर्ता शफी शेख द्वारा नशे के खिलाफ प्रकाशित पुस्तक मिलकर प्रयास जरूरी का भी अतिथियों ने विमोचन किया. प्रारंभ में इलियास खान, जावेद पटेल, प्रणिता दीक्षित, अशोक मित्तल, सलीम पटेल, भारत सिंह आदि ने अतिथियों का स्वागत किया. संचालन शफी शेख ने. प्रणिता दीक्षित ने आभार माना.

पीएंडजी युवाओं के सीखने के परिणामों को बेहतर बना रहा

इंदौर. जैसे-जैसे युवा तेजी से बदलती दुनिया में आगे बढ़ने की तैयारी कर रहे हैं, शिक्षा का दायरा केवल पहुंच और उपलब्धता तक सीमित नहीं रह सकता, इसे सार्थक परिणाम देने होंगे. यह विश्वास पी एंड जी इंडिया के प्रमुख सीएसआर कार्यक्रम शिक्षा की सोच में निहित है, जो दो दशकों से अधिक समय से सीखने के परिणामों को सशक्त बना रहा हैं. जब देश राष्ट्रीय युवा दिवस मना रहा है, यह पहल विशेष रूप से और भी प्रासंगिक हो जाती है, क्योंकि यह इस बढ़ती सोच को दर्शाती है कि शिक्षा को युवाओं को मजबूत आधार, आत्मविश्वास और अपने भविष्य को आकार देने की क्षमता प्रदान करनी चाहिए- विशेष रूप से वंचित समुदायों के छात्रों के लिए. सरकारी और शैक्षिक साझेदारों के साथ मिलकर काम करते हुए, पी एंड जी शिक्षा अपनी पहलों को राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप रखते हुए स्थानीय जरूरतों के प्रति संवेदनशील बनाए रखता है. इस दृष्टिकोण का प्रभाव व्यक्तिगत उपलब्धियों में स्पष्ट दिखाई देता है. गरिमा को मिले प्रारंभिक शैक्षिक सहयोग ने उसकेआईआईटी में प्रवेश की नींव तैयार की. निरंतर सुधार के प्रयासों से समृद्ध हुए अंकुर ज्योति ने एक सरकारी स्कूल में शिक्षा प्राप्त की, जो आज सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली में डॉक्टर के रूप में सेवाएं दे रहे हैं.

ब्लेंडर्स प्राइड ने जेनिथ ब्लैक एडिशन लॉन्च किया

इंदौर. ब्लेंडर्स प्राइड ने ब्लेंडर्स प्राइड ज़ेनिथ ब्लैक एडिशन के लॉन्च की घोषणा की है. यह एक लिमिटेड-एडिशन पेशकश है, जो बोल्ड ब्लैक सौंदर्य को ब्लेंडर्स प्राइड के आइकॉनिक ब्लेंड के साथ जोड़कर एक वास्तव में विशिष्ट अनुभव प्रस्तुत करती है. आकर्षक ब्लैक डिज़ाइन में पैक किया गया ज़ेनिथ ब्लैक एडिशन चुनिंदा व्हिस्की प्रेमियों के लिए बारीकी से तैयार किया गया है—वन इन अ मिलियन के लिए. केवल दस लाख बोतलों की उपलब्धता के साथ, यह एडिशन जितना रेयर है उतना ही रिफाइंड भी है. पर्नोड रिकार्ड इंडिया की सीएमओ देबाश्री दासगुप्ता ने कहा ब्लेंडर्स प्राइड भारत में प्रीमियम व्हिस्की के मानकों को लगातार नया रूप देता रहा है.

लक्ष्य सेन ने ऑल-इंडिया मुकाबले में आयुष शेट्टी को हराया

इंदौर. पूर्व चैंपियन लक्ष्य सेन और सैयद मोदी इंटरनेशनल विजेता जोड़ी त्रीसा जॉली तथा गायत्री गोपीचंद ने यहाँ जारी योनेक्स-सनराइज इंडिया ओपन 2026 में शानदार शुरुआत की, जबकि पुरुष एकल के चौथे वरीय चाइनीज ताइपे के चोउ टिएन चेन, जापान के सातवें वरीय कोडाई नारोका और फ्रांस के छठे वरीय एलेक्स लानियर मुकाबलों के पहले दिन ही बाहर हो गए. एचएसबीसी बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 750 टूर्नामेंट का आयोजन बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा मंगलवार को इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम के मल्टीपरपज हॉल में शुरू हुआ. लक्ष्य सेन ने अपने अकादमी साथी आयुष शेट्टी को महज 36 मिनट में 21-12, 21-15 से हराया, जबकि त्रीसा और गायत्री ने थाईलैंड की ओरनिचा जोंगसाथापोर्नपार्न और सुकिट्टा सुवाचाई को 21-15, 21-11 से शिकस्त दी. लक्ष्य सेन ने कहा किसी भी टूर्नामेंट का पहला मैच बहुत अहम होता है और परिस्थितियां थोड़ी चुनौतीपूर्ण थीं. मैं खुश हूं कि मैच की शुरुआत के लिए मैं अच्छी तरह से वार्म-अप कर पाया.

जीरई रिन्यू एनरटेक को बीएसई एसएमई से सैद्धांतिक मंजूरी

इंदौर. जीआरई रिन्यू एनरटेक लिमिटेड ('जीआरई') ने घोषणा की है कि उसे अपने प्रस्तावित प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) से सैद्धांतिक (इन-प्रिंसिपल) मंजूरी प्राप्त हो गई है. कंपनी ने सितंबर 2025 में बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर अपना आईपीओ लाने हेतु आवश्यक दस्तावेज़ दाखलि किए थे. ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) के अनुसार, जीआरई इस आईपीओ के तहत 10 रुपए अंकित मूल्य के कुल 37,68,000 इक्विटी शेयर जारी करने का प्रस्ताव रखती है. कंपनी वर्तमान में नियामकीय स्वीकृतियों के अधीन, अद्यतन जानकारी के साथ रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस दाखलि करने की प्रक्रिया में है. मेहसाणा मुख्यालय वाली यह कंपनी वाणिज्यिक, औद्योगिक (सीएंडआई) और संस्थागत उपभोक्ताओं के लिए ऑन-साइट सौर ऊर्जा समाधान उपलब्ध कराती है. डीआरएचपी के अनुसार कंपनी आईपीओ से प्राप्त राशि का एक हिस्सा रेस्को मॉडल के अंतर्गत 7.2 मेगावाट एसी क्षमता की ग्राउंड-माउंटेड सोलर पॉवर परियोजना के विकास में उपयोग करने की योजना बना रही है.

एक नजर में — फ्लो इंदौर के कार्यक्रम में सुता बहनों की प्रेरणादायक कहानी ने सबका दिल जीता

टीम पर भरोसा करें, प्रतियोगियों को दोस्त बनाएं

इंदौर. फ्लो विद पर्पस की थीम को साकार करते हुए, फ्लो इंदौर ने अपने टेक्सटाइल स्किलिंग एवं उद्यमिता पहल के अंतर्गत द सुता इवेंट आयोजित किया. इस विशेष सत्र में 250 से अधिक सदस्य एक साथ आए और प्रसिद्ध हैंडलूम ब्रांड सुता की संस्थापक बहनों, सुजाता बिस्वास एवं तानिया बिस्वास की सच्ची, दिल को छू लेने वाली यात्रा सुनी. जो सफर एक साधारण कमरे से शुरू हुआ, आज वह भारत भर के हजारों बुनकरों और कारीगरों के लिए रोजगार का प्रतीक बन चुका है.

बहनों ने कोई बनावटी भाषण नहीं दिया, बस अपनी जिंदगी की सच्चाइयाँ इतने उत्साह और ईमानदारी से साझा कीं कि हर श्रोता के चेहरे पर मुस्कान और मन में नया आत्मविश्वास उभर आया. उन्होंने बताया कि पिता भारतीय रेलवे में सब-इंस्पेक्टर थे. गाँव की छुट्टियों में बुनकरों के साथ बैठकर उनके हाथों की जादुई कला देखते थे. माँ ने बस दो मीटर कपड़ा थमाकर कहा था- अब जैसा चाहो डिजाइन करो. यही माँ का प्यार और प्रेरणा आज भी सुता की हर साड़ी में झलकती है, ब्रांड का नाम भी दोनों बहनों के नामों का मेल है- सु + ता, यानी सुता. कॉर्पोरेट की सफल नौकरियों के बाद 20 के दशक के अंत में आराम छोड़कर उद्देश्यपूर्ण जीवन चुना. कोविड के कठिन समय में ब्रांड ने असली उड़ान भरी- महज एक गैरेज और दो बुनकरों से शुरूआत करके आज हजारों परिवारों की जिंदगी संवार रही है. अब युवा लड़कियाँ सुता की साड़ियाँ गर्व से कॉलेज, ऑफिस और मिलन-जुलन में पहनती हैं. उनका संदेश था - टीम पर भरोसा करें, प्रतियोगियों को दोस्त बनाएँ, फ्लो इंदौर की चेयरपर्सन, सीए श्वेता अग्रवाल ने कहा हम ऐसी सार्थक इवेंट्स के जरिए महिला उद्यमियों को प्रेरित करना चाहते हैं. यह साबित करती है कि जब उद्देश्य, कड़ी मेहनत और सच्चाई साथ हो, तो छोटी-सी शुरुआत भी असाधारण बन जाती है और कई जिंदगियों को रोशन कर देती है.

गुणवत्ता पर रखा ध्यान

हल्के-फुल्के माहौल में चली इस बातचीत में सुजाता और तनिया ने कई जीवन-मूल्यवान बातें साझा कीं. उन्होंने बताया शुरुआत में गलतियाँ हुईं, लेकिन उन्होंने मार्केटिंग पर एक भी पैसा नहीं खर्च किया- पूरा ध्यान फैब्रिक की गुणवत्ता पर रहा. उन्होंने बताया बच्चों की परवरिश में माता-पिता का पूरा साथ मिला, वही संस्कार अब अगली पीढ़ी को मिल रहे हैं. हर साल वे उन गाँवों में जाते हैं जहाँ से साड़ियाँ आती हैं और बुनकरों को बताते हैं कि उनकी मेहनत दुनिया भर में कितना प्यार पा रही है. हमारा सपना साफ है- एक ऐसी लिगेसी ब्रांड बनना जो दो बहनों के समर्पण, मेहनत और दिल से किए गए अच्छे काम के लिए हमेशा याद रहे.